

समाचार-पत्र का नाम ईरि. बुलेट
दिनांक २५.६.२०१७ पृष्ठ सं. १५ कॉलम २-६

हकृति में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. धनखड़ ने कहा

जनसंख्या में नियंतर बढ़ोतारी जाए खेती में घट रहे प्राकृतिक संसाधन

टाइग्रेनी व्यूज़ भविसार

कृषि में अगली क्रांति जैव प्रौद्योगिकी-जीनोमिक उपकरणों के प्रभावी अनुपयोग से होगी। पारंपरिक और जैव प्रौद्योगिकी दोनों प्रकार के साधनों का उपयोग न केवल फसल उत्पादकता में सुधार के लिए किया जा सकता है बल्कि फसल की प्रजातियों की पोषण, गुणवत्ता और औद्योगिक उपयोगिता के लिए भी किया जा सकता है। यह बात

■ कृषि सेक्टर में अब क्रांति जैव प्रौद्योगिकी व जीनोमिक उपकरणों के अनुपयोग से होगी।



हिसार। सीडी का विमोचन करते हकृति कुलपति प्रो. कैपी सिंह व अन्य।

फोटो: हरभूमि

हकृति कुलपति प्रो. कैपी सिंह ने कही।

कुलपति आज यहां इस विश्वविद्यालय के मॉलेकुलर बायोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी पंड बायो इंफरमैटिक्स विभाग द्वारा यज ऑफ एडवांसड बायोटैक्नोलॉजिकल टैक्निक्स फॉर क्रॉप इप्रूवमेंट विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतार मुख्य अतिथि बोल रहे थे। दस दिवसीय इस कार्यशाला का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ अंकेडमिक व रिसर्च कलेजोरेशन स्पार्क्ह के तहत किया गया है।

कुलपति ने कहा देश को खाद्य एवं पोषण प्रदान करना केवल पारंपरिक प्रजनन विधि से संभव नहीं है। जैव प्रौद्योगिकी के प्रयोग से फसलों के उत्पादन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रहे जैविक व अजैविक दबावों से निपटा जा सकता है। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के बतंगान युग में कृशल मानव संसाधनों की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि

इस दिशा में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्पार्क्ह योजना बहुत कारगर मिल होगी। इसमें शोधार्थी विद्यार्थियों को विभाग के शीर्ष संस्थानों के वैज्ञानिकों का मानोवर्षण मिल सकेगा। अमेरिका की युनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ जोकि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने कहा कि जैव जनसंख्या में नियंतर बढ़ि जारी है और खेती में प्राकृतिक संसाधन भी घट रहे हैं, इस परिस्थिति में खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा यह केवल कृषि प्रणाली में नवायर्वतन से ही संभव हो सकता है।

उन्होंने कृषि से विमुख हो रही युवा पीढ़ी पर चिंता जताई और कहा यदि यह जारी रहा तो इससे खाद्य सुरक्षा का बड़ा सकट पैदा हो जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर डबेलपिंग कलाइमेट रेसिलिएंट क्रॉप्स फॉर एन्हारेंस ग्लोबल फूड सिस्टम्स इंडिया एंड यूल विषय पर व्याख्यान दिया।

एक डिग्री तापमान घटा देता है गेहूं का तीन फीलटी उत्पादन

अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मृदा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ. केएस गिल ने कहा कि गेहूं में फूल आने की अवस्था में 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने से गेहूं की पैदावार तीन प्रतिशत तक घट जाती है। इसलिए गेहूं की तापरोधी किस्में विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कलाइमेट रेसिलिएंट क्रॉप्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत गेहूं की तापरोधी 64 प्रकृतियों की पहचान की गई है। उन्होंने स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये गये एग्री विजनेस इंक्यूबेशन सेंटर के लिए प्रशंसा की।

हकृति को गिले रिसर्च प्रोजेक्ट

हकृति के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके

सहरावत ने योजना पर प्रकाश डालते हुये कहा कि कैट्रिय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के उद्देश्य से गत वर्ष अक्टूबर माह में यह योजना शुरू की थी।

इसमें शीर्ष स्थान पर बने हुये भारतीय संस्थान और विदेशी संस्थान आपस में मिलकर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा हकृति के लिए यह गौरव की बात है कि इस योजना के तहत इसको छह अनुसंधान परियोजनाएं मिली हैं।

मेजबान विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजिका डॉ. पुष्पा खरब ने बताया कि इस कार्यशाला को शिक्षकों और शोधकर्ताओं की जल्दी की ज्ञान में रखते हुये डिजाइन किया गया है। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक सचिव डॉ. उपेंद्र कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ट्रैनिंग के बाबत

समाचार-पत्र का नाम

दिनांक २५-६-२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ३-५

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में बोले कुलपति केपी सिंह

जैव/जीनोमिक उपकरणों से आएगी कृषि क्रांति



हिसार में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सीडी का विमोचन करते कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य। -निस

हिसार, 24 जून (निस)

मॉलेकुलर बायोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी एंड बायो इंफरमेटिक्स कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीसीएचयू के वीसी प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कृषि में अगली क्रांति जैव प्रौद्योगिकी/जीनोमिक उपकरणों के प्रभावी अनुप्रयोग से होगी। पारंपरिक और जैव प्रौद्योगिकी दोनों प्रकार के साधनों का उपयोग न केवल फसल

उत्पादकता में सुधार के लिए किया जा सकता है, बल्कि फसल की प्रजातियों की पोषण, गुणवत्ता और औद्योगिक उपयोगिता के लिए भी किया जा सकता है। 10-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ अकेडमिक व रिसर्च कलेबोरेशन स्पार्क्स के तहत किया गया है।

अमेरिका की युनिवर्सिटी ऑफ

मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ जोकि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे, ने कहा कि जब जनसंख्या में निरंतर वृद्धि जारी है और खेती में प्राकृतिक संसाधन भी घट रहे हैं, इस परिस्थिति में खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कृषि से विमुख हो रही युवा पीढ़ी पर चिन्ता जताई और कहा यदि यह जारी रहा तो इससे खाद्य सुरक्षा का बड़ा संकट पैदा हो जायेगा।

इस मौके पर अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मृदा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ. केएस गिल, मेजबान विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजिका डॉ. पुष्पा खरब ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर वीसी प्रो. केपी सिंह ने कार्यशाला संबंधी नियमावली की सीडी का विमोचन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

६ प्रातःक्रमसभी

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक ५.६.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ।-४

गेहूं की तापरोधी किस्में विकसित करने की आवश्यकता : डा. के.एस. गिल

■ क्लाइनेट ऐसिलिएट
क्लाइट प्रोजेक्ट के तहत
गेहूं की तापरोधी 64
किट्जों की पहचान

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): कृषि में अगली कांति जैव प्रौद्योगिकी/जीनोमिक उपकरणों के प्रभावी अनप्रयोग से होगी। पारंपरिक और जैव प्रौद्योगिकी दोनों प्रकार के साधनों का उपयोग न केवल फसल उत्पादकता में सुधार के लिए किया जा सकता है बल्कि फसल की प्रजातियों की पोषण, गुणवत्ता और औद्योगिक उपयोगिता के लिए भी किया जा सकता है। यह बात चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए।



कुलपति प्रो. के.पी. सिंह उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए।

मिली हैं 6 अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के.सहरावत ने कहा कि हक्की के लिए यह गौरव की बात है कि इस योजना के तहत छह अनुसंधान परियोजनाएं मिली हैं। कार्यशाला संयोजिका डा. पुष्पा खरब ने बताया कि इस कार्यशाला को आई.सी.ए.आर./एस.ए.यू./राज्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों, पोस्ट डॉक्टरल छात्रों के शिक्षकों और शोधकर्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

टैक्निक्स फॉर क्रॉप इप्रूवमेंट विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि देश को खाद्य एवं पोषण प्रदान करना

केवल पारंपरिक प्रजनन विधि से संभव नहीं है। जैव प्रौद्योगिकी के प्रयोग से फसलों के उत्पादन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रहे जैविक व अजैविक दबावों से निपट जा सकता है।

तापमान में वृद्धि से घटती है गेहूं की पैदावार

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रौ. डा. ओ.पी. धनखड़ ने कहा कि जब जनसंख्या में निरंतर वृद्धि जारी है और खेती में प्राकृतिक संसाधन भी घट रहे हैं, इस परिस्थिति में खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है।

अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मूदा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं निदेशक डा. के.एस.गिल ने कहा कि गेहूं में फूल आने की अवस्था में 30 डिग्री सैलिसयस तापमान में एक डिग्री सैलिसयस की वृद्धि होने से गेहूं की पैदावार तीन प्रतिशत तक घट जाती है। इसलिए गेहूं की तापरोधी किस्में विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट रेसिलिएट क्लाइट प्राजैक्ट के अंतर्गत गेहूं की तापरोधी 64 पंक्तियों की पहचान की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दीनांक ११/०१/२०

दिनांक २५.६.२०१७ पृष्ठ सं. १७ कॉलम ३-५

किया संबोधित वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मृदा विज्ञान विभाग के निदेशक डा. केएस गिल वोले

गेहूं की तापरोधी किस्में विकसित की जाएं

जागरण संवाददाता, हिसार : अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मृदा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं निदेशक डा. केएस गिल ने कहा कि गेहूं में फूल आने की अवस्था में 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने से गेहूं की पैदावार तीन प्रतिशत तक घट जाती है। इसलिए गेहूं की तापरोधी किस्में विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट रेसिलिएंट व्हीट प्रोजेक्ट के तहत गेहूं की तापरोधी 64 पंक्तियों की पहचान की गई है। वे सोमवार को हकूमि में यूज ऑफ एडवांसड बायोटेक्नोलॉजिकल टेक्निक्स फॉर क्रॉप इंग्रूवमेंट विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के मॉलेकुलर बायोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी एंड बायो इंफोर्मेटिक्स विभाग द्वारा आयोजित इस दस दिवसीय कार्यशाला मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ अकेडमिक व रिसर्च कोलेबोरेशन स्पार्क के तहत किया जा रहा है।



कुलपति प्रो केपी सिंह सीडी का विमोचन करते हुए। • जागरण

जैव प्रौद्योगिकी से ही चुनौतियों से निपटा जा सकेगा : कुलपति

कुलपति ने कहा कि देश को खाद्य एवं पोषण प्रदान करना केवल पारंपरिक प्रजनन विधि से संभव नहीं है। जैव प्रौद्योगिकी के प्रयोग से फसलों के उत्पादन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रहे जैविक व अजैविक दबावों से निपटा जा सकता है। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में कुशल मानव संसाधनों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

युवा पीढ़ी का खेती में रुझान होना जरूरी
कार्यशाला में बौद्धिक अतिथि शिरकत कर रहे अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मेसानुसेट्स के प्रोफेसर डा. ओपी घनखड़ ने कहा कि जब जनसंख्या में निरंतर वृद्धि जारी है और खेती में प्राकृतिक संसाधन भी घट रहे हैं, तो ऐसी परिस्थिति में खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह केवल कृषि प्रणाली में नव-प्रवर्तन से ही संभव हो सकता है। उन्होंने कृषि से विमुख हो रही युवा पीढ़ी पर चिंता जताई और कहा यदि यह जारी रहा तो इससे खाद्य सुरक्षा का बड़ा सकट पैदा हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

५ निक आठवटा

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक २५.६.२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम २०३,

सिर्फ 1 डिग्री तापमान बढ़ने से गेहूं की पैदावार 3 % हो जाती है कम : गिल

हिसार | कृषि में अगली क्रांति जैव प्रौद्योगिकी/जीनोमिक उपकरणों के प्रभावी अनुप्रयोग से होगी। पारंपरिक और जैव प्रौद्योगिकी दोनों प्रकार के साधनों का उपयोग न केवल फसल उत्पादकता में सुधार के लिए किया जा सकता है। यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। कुलपति सोमवार को विश्वविद्यालय के मॉलेकुलर बायोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी एंड बायो इंफरमेटिक्स विभाग द्वारा यूज ऑफ एडवांस्ड बायोटेक्नोलॉजिकल टेक्निक्स फॉर क्रॉप इंप्रूवमेंट विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर विशिष्ट अतिथि डॉ. ओपी धनखड़ ने कहा कि जब



एचएयू कुलपति प्रो. केपी सिंह सीडी का विमोचन करते हुए।

जनसंख्या में निरंतर वृद्धि जारी है और खेती में प्राकृतिक संसाधन भी घट रहे हैं। अमेरिका की वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के फसल एवं मृदा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ. केएस गिल ने कहा कि गेहूं में फूल आने की अवस्था में 30 डिग्री सैलिसयस तापमान में एक डिग्री सैलिसयस की वृद्धि होने से गेहूं की पैदावार तीन प्रतिशत तक घट जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक २५.६.२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ६-८

कोरियाई दल ने किया एचएयू का दौरा बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के व्यापारीकरण पर किया विचार

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया और कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की।

कोरियाई दल में एफएसीटी के सीनियर रिसर्चर हून शिम, बीटीएन-इनशूलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक लि-याहो, निदेशक रमेश यादव व एचके सिंह शामिल थे। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के स्थानांतरण को बढ़ावा देना,



एचएयू के दौरे पर पहुंचा कोरियाई दल। - अमर उजाला

अनुसंधान और विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण व उद्योगीकरण आदि कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा अपने विचार साझा किए। कुलपति ने भविष्य में कोरिया के साथ विभिन्न कृषि संबंधी परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए कोरियाई दूतावास के साथ सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया,

ताकि भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहायत व बागवानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा भी उपस्थित रहे। इस कोरियाई दल ने विश्वविद्यालय के एग्री इन्क्यूबेशन मेंटर व दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का भी दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब के सरी
दिनांक 25.6.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने हक्कवि का दैरा किया



कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ कोरियाई प्रतिनिधिमण्डल।

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधि मंडल ने चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस कोरियाई दल में एफ.ए.सी.टी. के सीनियर रिसर्चर हून शिम, बी.टी.एन.-इनशूलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक लि-याहो, निदेशक रमेश यादव व एच.के. सिंह शामिल थे। कुलपति ने प्रतिनिधि मण्डल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के

लिए कृषि उत्पादों के व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के स्थानांतरण को बढ़ावा देना, अनुसंधान और विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण व औद्योगिकीकरण आदि कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने विचार साझा किए।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत व बागवानी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अनिल गोदारा उपस्थित रहे। इस कोरियाई दल ने विश्वविद्यालय के एग्री इंक्युबेशन सेंटर व दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र का भी दौरा किया।

४

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक २५.६.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ।

२५६८

जारी उनका जाए इलाज रुपुल पारबागा ह।

एचएयू अब कोरिया के साथ मिलकर कृषि परियोजनाओं पर काम करेगी

हिसार | कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया और कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ बैठक की। कोरियाई दल में एफएसीटी के सीनियर रिसर्चर हुनशिम, बीटीएन-इनशूलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक लि-याहो, निदेशक रमेश यादव व एचके सिंह शामिल रहे। इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के स्थानांतरण को बढ़ावा देना, अनुसंधान व विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण व उद्योगीकरण आदि कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की और विचार सांझा किए। कुलपति ने भविष्य में कोरिया के साथ विभिन्न कृषि संबंधी परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए कोरियाई दूतावास के साथ सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया, ताकि भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व बागवानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम कृषि परियोजनाओं पर
दिनांक २५.६.२०१७ पृष्ठ सं. १५ कॉलम

कृषि परियोजनाओं पर साझा काम करने को एचएयू पहुंचा कोरियाई दल।

जास, हिसार : कृषि क्षेत्र में परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दैस किया और कुलपति ग्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। इस कोरियाई दल में एफएसीटी के सीनियर रिसर्चर हून शिम, बीटीएन-इनशूलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक लि-याहो, निदेशक रमेश यादव व एचके सिंह शामिल थे। कुलपति के प्रयासों के परिणाम स्वरूप विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय का निरंतर दैरा कर रहे हैं। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के स्थानांतरण को बढ़ावा देना, अनुसंधान और विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण और उद्योगीकरण आदि कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कुलपति ने भविष्य में कोरिया के साथ विभिन्न कृषि संबंधी परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए कोरियाई दूतावास के साथ सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया, ताकि भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक के दैरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत व बागवानी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अनिल गोदारा उपस्थित रहे। इस कोरियाई दल ने विश्वविद्यालय के एगी इंक्युबेशन सेंटर व दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का भी दैरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नित्प्रकाश २०१९
दिनांक २५.६.२०१९ पृष्ठ सं. ४ कॉलम ।-६

कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने की हक्कवि कुलपति से मुलाकात

हिसार, 24 जून (निस)। कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया और कुलपति थो केपी

**कुलपति ने दिया
कोरिया के साथ
विभिन्न कृषि संबंधी
परियोजनाओं पर
मिलकर कार्य करने
के लिए कोरियाई
दूतावास के साथ
सामंजस्य स्थापित
करने पर जोर**

सिंह के साथ मुलाकात की।

इस कोरियाई दल में एफएसीटी के सीनियर रिसर्चर हून शिम, बीटीएन-इनशूलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के



प्रबंधक लि-याहो, निदेशक रमेश यादव व एचके सिंह शामिल थे। यता दें कि कुलपति के प्रयासों के परिणाम स्वरूप विभिन्न देशों के प्रतिनिधि मण्डल विश्वविद्यालय का निर्तत दौरा कर रहे हैं।

कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के

व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के स्थानेतरण को बढ़ावा देना, अनुसंधान और विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण व उद्योगीकरण आदि कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने विचार साझा किए।

कुलपति ने भविष्य में कोरिया के साथ विभिन्न कृषि संबंधी परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए कोरियाई दूतावास के साथ सामंजस्य स्थापित करने

पर जोर दिया ताकि भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा सके।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहरावत व बागबानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा उपस्थित रहे।

इस कोरियाई दल ने विश्वविद्यालय के एग्री इंक्युबेशन सेंटर व दीन दयाल उपायाय जीविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र का भी दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिंह पल्स
दिनांक .२.५.६.२०१९. पृष्ठ सं. ८ कॉलम .. ।-६

कोरिया का प्रतिनिधिमंडल मिला एचएयू कुलपति से, कृषि क्षेत्र में बेहतर परियोजनाओं को करेंगे साझा

सिंह पल्स न्यूज़, हिसार। कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर साझा रूप से कार्य करने के लिए कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दैया किया और कुलपति प्रौ. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की। इस कोरियाई दल में एफएसीटी के सीनियर रिसर्चर हून शिंग, बीटीएन-इनशूलो इंडिया प्रावेट लिमिटेड के प्रबंधक लियाहे, निशाक रमेश यादव व एचके सिंह शामिल थे। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व उनकी कार्यपाली के बारे में बताया।

इस दल ने कृषि क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए कृषि उत्पादों के



हिसार। कुलपति प्रौ. के.पी. सिंह के साथ कोरियाई प्रतिनिधिमंडल।

व्यापारीकरण व कृषि तकनीकों के सम्बन्धित रण को बढ़ावा देना, अनुसंधान और विकास क्षेत्र में उपलब्धियों का व्यापारीकरण व अंतर्राष्ट्रीय अधि कृषि संबंधी विषयों पर चर्चा की और अपने विचार साझा किए। कुलपति ने भविष्य में कोरिया के साथ विभिन्न कृषि संबंधी परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने के लिए कोरियाई दूतावास के साथ समर्जन समर्पित करने पर और दिल्ली नगर विकास के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिये जा सके। बठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान विदेशक डॉ. एसके महाराज व योगवन्न विभाग के विभागाधारक डॉ. अनिल गोदारा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम भैनीक जारारु, दूरी-भौम
दिनांक २५.६.२०१९ पृष्ठ सं. १७,....१६ कॉलम १-२,....४

एचएसू छिसानों को देगी ट्रैक्टर ऑपरेटर प्रशिक्षण, मारगे आवेदन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ट्रैक्टर ऑपरेटर विषय पर स्टॉफिंगेट कोर्स आयोजित किया जाएगा। इस कोर्स के लिए उपरोक्त संस्थान की ओर से आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशक प्रशिक्षण डा. मंजु दहिया ने बताया कि यह स्टॉफिंगेट

कोर्स २८ जून से आरंभ होगा, जिसमें भाग लेने के लिए २७ जून तक आवेदन मार्गे गए हैं। कोर्स में किसान और बेरोजगार युवक व युवतियां भाग ले सकते हैं। डा. दहिया के अनुसार इस कोर्स में भाग लेने के लिए दसवीं कक्षा पास होना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति २७ जून तक अपने आधार कार्ड, फोटो व मोबाइल नंबर के साथ आवेदन कर सकते हैं। कोर्स का १००० रुपये शुल्क/पंजीकरण फीस होगी। (जास्ति)

हकृति देगा प्रशिक्षण

हिसार। हकृति के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ट्रैक्टर ऑपरेटर विषय पर स्टॉफिंगेट कोर्स का आयोजन किया जाएगा। हस कोर्स के लिए उपरोक्त संस्थान की ओर से आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ऊंच निदेशक प्रशिक्षण डा. मंजु दहिया ने बताया कि यह स्टॉफिंगेट कोर्स २८ जून से आरंभ होगा जिसमें भाग लेने के लिए २७ जून तक आवेदन मार्गे गए हैं। उक्तोंने बताया हस कोर्स में किसान तथा बेरोजगार युवक व युवतियां भाग ले सकते हैं डा. दहिया के अनुसार इस कोर्स ने भाग लेने के लिए दसवीं कक्षा पास होना अनिवार्य है। हकृति व्यक्ति २७ जून तक अपने आधार कार्ड, फोटो तथा मोबाइल नंबर के साथ आवेदन कर सकते हैं। उक्तोंने बताया हस कोर्स का १००० रुपये शुल्क/पंजीकरण फीस होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नेहवाल कृषि संस्थान
दिनांक २५.६.२०१२ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ४

हकृषि देगा ट्रैक्टर ऑपरेटर प्रशिक्षण, मार्गे आवेदन

हिसार, 24 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ट्रैक्टर ऑपरेटर विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया जाएगा। इस कोर्स के लिए उपरोक्त संस्थान की ओर से आवेदन-पत्र आंमत्रित किए गए हैं। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह निदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने बताया कि यह सर्टिफिकेट कोर्स 28 जून से आरंभ होगा जिसमें भाग लेने के लिए 27 जून तक आवेदन मार्गे गए हैं। उन्होंने बताया इस कोर्स में किसान तथा बेरोजगार युवक व युवतियां भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक २५. ६. २०१७ पृष्ठ सं. ३ कॉलम १२

हक्की देगा ट्रैक्टर ऑपरेटर प्रशिक्षण, मांगे आवेदन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ट्रैक्टर ऑपरेटर विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया जाएगा। इस कोर्स के लिए उपरोक्त संस्थान की ओर से आवेदन-पत्र आमत्रित किए गए हैं। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह निदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने बताया कि यह सर्टिफिकेट कोर्स 28 जून से आरंभ होगा जिसमें भाग लेने के लिए 27 जून तक आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया इस कोर्स में किसान तथा बेरोजगार युवक व युवतियां भाग ले सकते हैं।